गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 03 अंक: 21 | गोरखपुर रविवार 16 नवम्बर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

प्रधानमंत्री मोदी का कांग्रेस पर तीखा हमला

6 दशक तक की आदिवासियों की उपेक्षा, अब विकास हमारी प्राथमिकता

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आदिवासी गौरव हजारों वर्षों से भारत की चेतना का अभिन्न अंग

रहा है और देश स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समाज के योगदान को नहीं भूल सकता। जनजातीय गौरव दिवस पर यहाँ एक सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी गौरव हजारों वर्षों से भारत की चेतना का अभिन्न अंग रहा है। जब भी देश के सम्मान, स्वाभिमान और स्वशासन का प्रश्न उठा है... हमारा आदिवासी समाज सबसे आगे खड़ा रहा है। हम स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समाज के योगदान को नहीं भूल सकते।मोदी ने कांग्रेस सरकारों पर अपने शासनकाल में आदिवासी समुदाय की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छह दशकों तक कांग्रेस सरकारों ने आदिवासी समुदायों को उनके हाल पर छोड़ दिया। कुपोषण कायम रहा, शिक्षा दुर्लभ थी और ये कमियाँ कई आदिवासी क्षेत्रों की दुर्भाग्यपूर्ण पहचान बन गईं। कांग्रेस सरकारें उदासीन रहीं। भाजपा के लिए आदिवासी कल्याण हमेशा प्राथमिकता रही है। हम अपने आदिवासी भाइयों और बहनों के साथ हो रहे अन्याय को समाप्त करने के दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने जनजातीय समुदाय को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मां नर्मदा की ये पावन धरती आज एक और ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बन रही है। अभी 31 अक्टूबर को हमने यहां सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई। हमारी एकता और विविधता को सेलिब्रेट करने के लिए भारत पर्व शुरू हुआ है। और आज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के इस भव्य आयोजन के साथ हम भारत पर्व की पूर्णता के साक्षी बन रहे हैं। मैं इस पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा को प्रणाम करता हूं।

बिहार में मिली जीत पच नहीं रही, अखिलेश का भाजपा पर वार, बोले- यूपी में होगा हिसाब !

एजेंसी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि हर चुनाव, चाहे जीत हो या हार, सबक सिखाता है। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए तैयार है। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो की यह टिप्पणी

अखिलेश यादव ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर सवाल उठाते हुए इसे "पचा नहीं पा रहा" बताया। उन्होंने भाजपा की जीत के पैमाने और महिला मतदाताओं को लुभाने की रणनीति पर संदेह जताया, साथ ही 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए सपा की तैयारियों पर जोर दिया।

बिहार में महागठबंधन की करारी हार के एक दिन बाद आई है, जहाँ एनडीए ने विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल की। एएनआई से बात करते हुए, यादव ने भाजपा की जीत के पैमाने और महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए अपनाई गई रणनीति पर भी सवाल उठाए। यादव ने कहा कि चुनाव हमें जीत और हार से सबक सिखाते हैं। भाजपा कहने लगी है कि उसे महिलाओं से ज्यादा वोट मिले हैं। आप कब तक 10,000 रुपये देंगे? आप कब तक सम्मान की ज़िंदगी देंगे? उन्होंने 202 सीटें जीतीं। हम इसे पचा नहीं पा रहे हैं। हमें इस मानक को पार करना होगा। बिहार की जीत उत्तर प्रदेश की जीत की बराबरी नहीं कर सकती। हम उत्तर प्रदेश के लिए तैयार हैं। इस बीच, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार चुनावों में भारी जीत दर्ज की। एनडीए ने 243 में से 202 सीटें हासिल कीं, जिसमें भाजपा 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

एसआईआर को लेकर भ्रम में जनता, फॉर्म आम लोगों तक पहुंचाएं : विजय

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) ने तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सवाल उठाए हैं। पार्टी के प्रमुख और अभिनेता विजय ने कहा, यह एसआईआर राज्य में कैसे लागू होगा? कुल 6.36 करोड़ मतदाता हैं। बूथ स्तर के अधिकारी जब अपना फॉर्म सत्यापन का काम पूरा कर देंगे, उसके बाद ही मतदाता सूची जारी होगी। जब तक यह सूची प्रकाशित नहीं होती, हम यह नहीं जान सकते कि हम अभी मतदाता हैं या नहीं। उन्होंने कहा, लोगों में इस एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर बहुत भ्रम है। कई लोग सोच रहे हैं कि क्या यह नया नागरिकता पंजीकरण है या कुछ ऐसा ही है। यह भ्रम बना हुआ है। लोगों को बीएलओ से रसीद अवश्य लेनी चाहिए। अगर आप एसआईआर की प्रक्रिया ऑनलाइन पूरी करते हैं, तो उसका स्क्रीनशॉट लेकर सुरक्षित रखें। सबसे खास बात यह है कि आपको पता होना चाहिए कि आपका बीएलओ कौन है। उनका संपर्क नंबर अपने पास रखें।

बिहार चुनाव में 'वोट चोरी' का आरोप, कांग्रेस बोली...

अप्रत्याशित नतीजे, हुई बड़ी धांधली !

बिहार चुनाव में हार के बाद कांग्रेस ने 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग और रक्फ़(संदेहास्पद वोटर पहचान डेटा) पर दोष मढ़ा है। कांग्रेस का दावा है कि मोदी-शाह के इशारे पर 69 लाख विपक्षी मतदाताओं के वोट हटाए गए और डुप्लीकेट एंट्री सॉफ्टवेयर का उपयोग न करने से 14.35 लाख फर्जी वोटर जुड़े, जिससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न उठते हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अपने 'वोट चोरी' के आरोपों को फिर से हवा दे दी है। इस बार यह बिहार चुनाव को लेकर है। बिहार में महागठबंधन की करारी हार के एक दिन बाद, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाया। पार्टी ने एक पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी-अमित शाह के इशारे पर चुनाव आयोग ने बिहार में रक्फ़के जरिए 69 लाख वोट हटा दिए। जिन लोगों के वोट हटाए गए, वे विपक्षी मतदाता थे। उन्हें निशाना बनाकर मतदाता सूची से हटा दिया गया। यह साफ तौर पर 'वोट चोरी' है। पार्टी ने एक्स पर लिखा कि पूरे देश ने देखा कैसे BJP के नेताओं और कार्यकताओं ने अलग-अलग राज्यों में वोट डालने के बाद भी बिहार में जाकर वोटिंग की। BJP के कार्यकताओं ने पहले दिल्ली, उत्तराखंड, बेंगलुरु, हरियाणा चुनाव में वोट किया, फिर उन सभी ने बिहार में भी वोट किया। इसमें लिखा कि चुनाव के बीच इखढ ने स्पेशल ट्रेनें चलवाईं, जिसमें लोगों को टिकट दिलवाकर और गले में पटका पहनाकर अलग-अलग राज्यों से बिहार भेजा गया, ताकि वो BJP को वोट दे सकें।

टीएमसी नेता सागरिका का प्रधानमंत्री पर पलटवार

भाजपा को स्वीकार नहीं करेगा बंगाल, ममता हवाई जहाज वाली नेता नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)

की सांसद सागरिका घोष ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल कभी भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को स्वीकार नहीं करेगा। उनकी यह टिप्पणी तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हा कि उनकी पार्टी राज्य के अगले विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करेगी। सागरिका घोष ने यह भी कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी जैसी नेता हैं,जो हमेशा लोगों के बीच रहती हैं और वह हवाई जहाज वाली नेता नहीं हैं। टीएमसी सांसद ने पीटीआई से बातचीत में कहा, मैं नरेंद्र मोदी को कुछ हकीकत बताना चाहती हूं। उन्होंने बंगाल को जीतने की बात कही, जैसे बंगाल कोई जमीन का टुकड़ा हो, जिसे मोदी अपने बायोडाटा में जोड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले बंगाल कभी भी मोदी और भाजपा की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगा। आप पैसे देंगे, लोगों को बांटेंगे, डर दिखाएंगे, हिंसा करेंगे- यह राजनीति बंगाल स्वीकार नहीं करेगा। घोष ने आगे कहा, दूसरी बात, हमारे पास बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसी नेता हैं, जो हमेशा लोगों के साथ रहती हैं। वह कोई 'हवाई जहाज' वाली नेता नहीं हैं, जो सिर्फ उड़कर आएं और वोट मांगकर चली जाएं। वह 24 घंटे लोगों के बीच रहती हैं। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार की कन्याश्री जैसी योजनाएं यह दिखाती हैं कि सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए वास्तव में काम कर रही है। टीएमसी सांसद ने कहा, कन्याश्री जैसी योजना बंगाल सरकार की एक आजीवन प्रतिबद्धता है। यह चुनाव से पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए दिया गया रिश्वत जैसा वादा नहीं है। घोष ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने मनरेगा जैसी योजनाओं के तहत बंगाल का 'हक' रोक रखा है। उन्होंने कहा, चाहे मनरेगा का पैसा हो या आवास योजना का.. बंगाल सरकार को उसका पैसा नहीं दिया गया है।

सम्पादकीय...

फिर राजग का बिहार

बेहद जटिल सामाजिक परिस्थितियों वाले देश के बड़े राज्य बिहार का महासंग्राम आखिरकार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जीत ही लिया। एनडीए ने बिहार में विपक्ष के महागठबंधन को करारी शिकस्त दी है। यह जीत पिछले साल महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन द्वारा महाविकास अघाड़ी को करारी शिकस्त देने जैसी ही है। चैंकाने वाली बात यह है कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और उसने उस राज्य में अपनी स्थिति मजबूत की है, जहां अभी तक उसका अपना मुख्यमंत्री नहीं रहा है। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल यूनाइटेड यानी जदयू ने तमाम मुश्किलों को पार करते हुए सम्मानजनक दूसरा स्थान हासिल किया है। चुनाव से पहले नीतीश कुमार महागठबंधन के नेताओं के निशाने पर थे। उन्हें थका हुआ, बीमार और रिटायर होने वाला राजनेता बताया जा रहा था। कहा जा रहा था कि भाजपा ने नीतीश कुमार को पार्टी के मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश नहीं किया। नीतीश कुमार के जो आलोचक उनकी विदाई लेख लिखने की जल्दी में थे, उन्हें चुनाव परिणामों के बाद मुंह की खानी पड़ रही है। जनता के फैसले ने बीते 2020 के विधानसभा चुनाव मे सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाले राष्ट्रीय जनता दल यानी राजद को इस बार तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। बहरहाल, इस विधानसभा चुनाव के एकतरफा नतीजों का एक निष्कर्ष यह भी है कि सत्ता के लिये भाजपा व जदयू को एक साथ ही रहना होगा। जैसे कि नीतीश के पाला बदलने के चलते उन्हें पलटू राम की संज्ञा दी जाती थी, उसकी संभावना अब नजर नहीं आती। यानी नीतीश कुमार अब पलटू राम वाले अंदाज में नहीं चल सकते। उन्हें इस बात की तसल्ली मिल सकती है कि भारतीय जनता पार्टी, जिसके पास लोकसभा में पूर्ण रूप से बहुमत नहीं है, वह केंद्र में सरकार बचाने के लिये भविष्य में जदयू पर निर्भर रहेगी। दरअसल, राजनीतिक पंडित कयास लगाते रहे हैं कि नीतीश कुमार को किनारा करने की भगवा पार्टी की कोई भी कोशिश सत्तारूढ़ गठबंधन के लिये मुश्किल खड़ी कर सकती है। वहीं कहा जाता रहा है कि चिराग पासवान एनडीए की कमजोरियों का फायदा उठाने से नहीं हिचकिचाएंगे। हालांकि, भाजपा नीतीश कुमार को बाहर करने के प्रलोभन का ज्यादा देर विरोध नहीं कर पाएगी, जैसा उसने महाराष्ट्र में शिवसेना के एकनाथ शिंदे के साथ किया था। बहरहाल, एक बात तो तय है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत ने महागठबंधन को तार-तार कर दिया है। साथ ही पदयात्रा व अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले प्रशांत किशोर की नई सुबह की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। बिहार चुनाव में पस्त हुए महागठबंधन के दलों के सामने अगले साल विपक्ष शासित राज्य पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले फिर से संगठित होने की एक बड़ी चुनौती होगी। ये वे तीन विपक्षी दुर्ग हैं जिनमें सत्ता हासिल करने के लिये भारतीय जनता पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। बहरहाल, एक बात तो माननी पड़ेगी बिहार में राजग की अप्रत्याशित जीत सारथी नरेंद्र मोदी की छवि, गृहमंत्री अमित शाह की नीति-कूटनीति, भाजपा के मजबूत संगठन, नीतीश कुमार की सामाजिक कल्याण की नीतियों की देन है।

राशिफल

मेषः- मन पर नियंत्रण रख अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन में केंद्रित हों। स्थिति व समय के साथ समझौतावादी रवैया अपनाएं। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।

बृषभः- पुरानी बातों को भूल वर्तमान के साथ समझौता करें। निर्थक छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव संभव। प्रणय संबंध के प्रति केंद्रित मन परिजनों के विरोध से दुखित होगा।

मिथुनः- उच्च मनोबल के साथ कुछ साहसी कार्यों में हाथ डालेंगे। विरोधियों की सक्रियता अपेक्षित है। अतः सावधान रहें। किसी अचल सम्पत्ति को लेने की योजना बन सकती है।

कर्कः- आर्थिक क्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। प्रणय संबंधों को लेमर मन चिंतित होगा। आलस्य का त्याग करें।

सिंहः- गुणवत्ता एवं बुद्धिमत्ता से समस्याओं के समाधान में सक्षम होंगे। उत्साह पूर्वक नई योजनाओं में सक्रियता बढ़ेगी। परिवार को कुशलता से चलाने में आपका विशेष योगदान होगा।

कन्याः- पारिवारिक समस्याएं बार-बार परेशान करेंगी किंतु ऐसे स्थिति में स्वविवेक सहायक सिद्ध होगा। भविष्य संबंधित कुछ चिंताएं मन को प्रभावित करेंगी। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

तुलाः- किसी कार्य में सफलता से उत्साहित होंगे। कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयत्न करें। परिवार में किसी सदस्य की अस्वस्थता से मन परेशान होगा।

वृश्चिकः- किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए मन प्रयत्नशील होंगे। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में मन असमर्थ होंगे। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

धनुः- पुरानी घटनाओं से मन ओतप्रोत होगा। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन में चिंता संभव। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता बरतें।

मकरः- पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। गलतियों को स्वीकारते हुए सगे-संबंधों में क्षमायाचक बने और शांत भाव से अच्छे कायरे द्वारा उसका प्राश्चित भी करें।

कुंभः- आप सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव से लोकप्रिय होंगे। शासन-सत्ता का लाभ मिलेगा। जीवन साथी के प्रति मधुरता बनाये रखें। आलस्य न करें।

मीनः- नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें। बीते हुए एवं आने वाले कल के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान में जीने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर मन चिंतित होगा।

नैरेटिव का विकल्प खोजे बिना कैसे हो उद्धार

उमेश चतुर्वेदी

चाणक्य की धरती के मतदाताओं ने आधुनिक राजनीति के कौटिल्यों को भी हैरत में डाल दिया है। एनडीए की जीत की उम्मीद एक्जिट पोल कर तो रहे थे, लेकिन उन्हें भी इतनी बड़ी जीत की उम्मीद नहीं थी। एनडीए की भारी जीत और तेजस्वी की अगुआई वाले महागठबंधन की करारी हार ने कई राजनीतिक संदेश दिए। समाजवादी गठबंधन के लिए कांग्रेस का साथ पत्थर बांध कर तैरने जैसा ही गया है। जिस भी समाजवादी गठबंधन ने कांग्रेस का हाथ थामा, वह राजनीति के समंदर में डूब गया। इसके पहले उदाहरण बिहार के पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अखिलेश यादव हैं। 2017 के विधानसभा चुनावों में यूपी के लड़के के नारे के साथ राहुल गांधी का साथ लेकर अखिलेश चुनावी वैतरणी पार करने उतरे थे, लेकिन भाजपा की लहर में वे डूब गए। 2022 में भी कांग्रेस उनके लिए पतवार नहीं बन सकी। इस बार तेजस्वी के लिए कांग्रेस सहारा नहीं बन पाई। चुनाव नतीजों कुछ वैसे ही हैं, जैसे हम तो डूबे ही सनम, तुझे भी ले डूबेंगे। विपक्षी गठबंधन को अब सोचना होगा कि कांग्रेस का हाथ वह कब और कितना पकड़े कि उसकी सियासी नैया पार लग सके, डूबे नहीं। बिहार के चुनाव नतीजों ने यह भी संदेश दिया है कि राजनीतिक भंवर में अति आत्मविश्वास सामने से आ रही लहरों के मुकाबले का साहस दें, चाहे न दें, उनकी तासीर और ताकत का अंदाजा नहीं लगने देती। तेजस्वी के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। अति आत्मविश्वास उन्हें ले डूबा। तेजस्वी का अपने शपथ ग्रहण की तारीख तय करना और उसे अति उत्साही अंदाज में लोगों के बीच रखना, एक वर्ग को भले ही अच्छा लगा हो, आम वोटरों को पसंद नहीं आया। रही-सही कसर उनके अति उत्साही नेताओं और कार्यकर्ताओं के मनोबल ने पूरा कर दिया। बिहार की स्थानीय शब्दावली में यह मनोबल नहीं, मनबढ़ होना था। इसने सत्ताधारी एनडीए के जंगलराज के नैरेटिव को उस पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद पहुंचाई, जो जंगलराज के बाद नीतीश के सुशासन राज में पैदा हुई है। जिस तरह स्थानीय चैनलों, यू ट्यूबरों और चुनावी माहौल में कुकुरमुत्तों की तरह कथित मीडिया चैनलों के कैमरों के सामने अठारह-बीस साल वाली लड़कियों तक ने तेजस्वी राज में एक खास वर्ग और जाति से डर की आशंका जताई, उससे साफ हो गया था कि बिहार का चुनावी नजारा क्या रहने जा रहा है। बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष जिस तरह जंगल राज की भयावह तसवीरें लोगों के सामने रख रहे थे, उसने भी भावी नतीजों की जानकारी दे दी थी। मीडिया के एक वर्ग ने एनडीए के नैरेटिक के बरक्स तेजस्वी की अगुआई वाले महागठबंधन का बचाव करने की कोशिशकी। तेजस्वी को उससे अलग दिखाने की कोशिशें भी कम नहीं हुईं। ऐसा करते वक्त तेजस्वी के रणनीतिकार, कांग्रेस से सहानुभूति रखने वाला बौद्धिक वर्ग भूल गया कि एक बड़ा वर्ग अब भी सक्रिय है, जिसने जंगलराज को देखा है। जैसे-जैसे तेजस्वी के नए विजन को पेश करने की कोशिश की गई, वैसे-वैसे प्रतिक्रिया स्वरूप लोगों में पुराने दिनो के घाव ताजा होते गए। नतीजा सामने है। पिछली बार के चुनावों में महागठबंधन को सबसे ज्यादा ताकत अंग प्रदेश और भोजपुर से मिली थी। शाहाबाद क्षेत्र में कांग्रेस और माले के साथ महागठबंधन ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इलाके 22 सीटों में से पिछली बार एनडीए को सिर्फ दो सीटें मिली थीं। लेकिन इस बार उसका प्रदर्शन करीब सात गुना बेहतर हुआ है। इस बार एनडीए कुल मिलाकर 14 सीटें जीत रहा है या जीतने के कगार पर है। साफ है कि इस बार शाहाबाद में एनडीए को बारह सीटों का बंपर फायदा हुआ है। शाहाबाद के रोहतास् सासाराम जिले की

सात विधानसभा सीटों में से सिर्फ एक पर राजद को जीत मिली है, जबकि दो पर लोकजनशक्ति पार्टी, दो पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा और एक पर जनता दल यू को जीत मिली है। इसी जिले में प्रशांत किशोर की गृह सीट करगहर आती है, जहां से उन्होंने भोजपुरी गायक रितेश पांडेय को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे तीसरे स्थान पर रहे। चार सीटों वाले भभुआ में तो राष्ट्रीय जनता दल का तो खाता भी नहीं खुला है। यहां की रामगढ़ विधानसभा सीट आरजेडी के दिग्गज जगदानंद सिंह की मानी जाती है। उनके बक्सर से सांसद बेटे सुधाकर सिंह यहां से विधायक रह चुके हैं। चुनाव के एक दिन पहले यूपी की विधायक पूजा पाल से बदसलूकी के चलते सुधाकर चर्चा में थे। बहरहाल भभुआ की चार में से तीन सीटों पर जहां बीजेपी को जीत मिली है, वहीं एक सीट जनता दल यू के खाते में गई है। इसी तरह शाहाबाद इलाके के बक्सर जिले की चारों सीटों पर एनडीए का कब्जा हुआ है। यहां की दो सीटों पर जनता दल यू, एक पर लोकजनशक्ति पार्टी और एक पर भाजपा को जीत मिली है।

शाहाबाद के भोजपुर जिले की सात विधानसभा सीटों में से एक पर माले और एक पर राजद को जीत मिली है। जबकि चार पर भाजपा और एक पर जनता दल यू को सफलता मिली है। इसी तरह लालू के गढ़ सारण में भी एनडीए ने महागठबंधन को भारी शिकस्त दी है।

कुछ खास...

भारत की जनजातीय विरासत और वीरों का उत्सव

सी.पी.राधाकृष्णन

एक दशक पहले, भारत में आदिवासी शब्द सुनते ही अक्सर अभावों, स्कूलों से वंचित दूर-दराज के गांवों, पानी के लिए

मीलों पैदल चलने वाली माताओं और अवसरों की तलाश में जंगल छोडने वाले युवाओं की छवियां उभरती थीं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, यह कहानी अस्तित्व की कहानी से बदलकर सफलता की कहानी बन गई है। जिसे कभी भारत का भूला हुआ सीमांत माना जाता था, वह अब विकास और गौरव के सबसे जीवंत इंजनों में से एक बन गया है। पहली बार, आदिवासी सशक्तिकरण एक नारा नहीं, बल्कि न्याय, सम्मान और अवसर से प्रेरित एक आंदोलन है। भगवान बिरसा मुंडा द्वारा संचालित उलगुलान आंदोलन यह सिद्ध करता है कि जनजातीय आंदोलन केवल अलग-अलग संग्राम नहीं थे बल्कि औपनिवेशक अत्याचार के विरुद्ध संगठित प्रतिप्रवाह थे। हाशिए से मुख्यधारा तक रू जब प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में पदभार संभाला था तब भारत में आदिवासी विकास एक सीमित ढांचे में संचालित होता था, केवल 4,498 करोड़ रुपए के बजट वाला एक मंत्रालय। पिछले एक दशक में, यह दृष्टिकोण एक राष्ट्रव्यापी मिशन में बदल गया है। आज, 42 मंत्रालय अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना के माध्यम से जनजातीय कल्याण में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। इस योजना के तहत कुल जनजातीय-केंद्रित व्यय में 5 गुना वृद्धि हुई है जो 2014 में 24,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024-25 में 1.25 लाख करोड़ रुपए हो गया है। जनजातीय कार्य मंत्रालय का बजट तीन गुना बढ़कर 13,000 करोड़ रुपए हो गया है जो समावेशी विकास के प्रति सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान ने भारत की जनजातीय विकास यात्रा में एक नए युग की शुरूआत की है। 79,156 करोड़ रुपए के परिव्यय और 17 मंत्रालयों के संयुक्त प्रयासों से, इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का लक्ष्य 2029 तक 63,843 जनजातीय-बहुल गांवों और 112 आकांक्षी जिलों को आवास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कनैक्टिविटी में लंबे समय से चली आ रही कमियों को दूर करना है केवल एक वर्ष में, इसका प्रभाव जनजातीय गढ़ में दिखाई दे रहा है--4 लाख से अधिक पक्के घर बनकर तैयार हो चुके हैं।-लगभग 700 छात्रावास बनाए जा रहे हैं। -70 मोबाइल चिकित्सा इकाइयां अब दूर-दराज के इलाकों तक पहुंच रही हैं।- 26,500 से अधिक गांवों में पाइप से पेयजल की सुविधा उपलब्ध है जबकि 8,600 से अधिक घरों में बिजली कनैक्शन उपलब्ध हैं।-लगभग 2,200 गांव अब मोबाइल नैटवर्क से जुड़ चुके हैं और 280 से ज्यादा आंगनवाड़ी केंद्र प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और पोषण को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, प्रधानमंत्री 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैंताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सबसे दूरस्थ समुदाय भी पीछे न छूटें। 24,104 करोड़ रुपए के बजट के साथ, यह मिशन कई मोर्चों पर समावेशी प्रगति को गति दे रहा है रू -90,000 से ज्यादा पक्के घर बनाए गए हैं और 92,000 से ज्यादा घरों का विद्युतीकरण किया गया है।

करिश्मा कपूर की बेटी समायरा का प्रिया कपूर पर बड़ा आरोप- 2 महीने से नहीं भरी फीस, कोर्ट ने लगाई फटकार

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की संपत्ति को लेकर परिवार में विवाद बढ़ता जा रहा है। दिल्ली हाई कोर्ट में 14 नवंबर को हुई सुनवाई में संजय की बेटी समायरा कपूर और उनकी दूसरी पत्नी प्रिया कपूर आमने-सामने आ गईं। कोर्ट में समायरा ने दावा किया कि वे अमेरिका की एक

यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही हैं, लेकिन उनकी दो महीने की फीस अभी तक जमा नहीं हुई है। समायरा ने यह भी कहा कि बच्चों की पढ़ाई और रहने का खर्च संजय कपूर की जिम्मेदारी थी, जैसा कि तलाक समझौते में तय किया गया था। इस दावे पर प्रिया कपूर ने समायरा के आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि समायरा के कथन सत्य नहीं हैं और यह मामला सनसनीखेज ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। सुनवाई के दौरान जज ने इस पूरे विवाद पर नाराजगी जताई और कहा कि अदालत में इस तरह के मुद्दों को मेलोड्रामैटिक नहीं बनाना चाहिए। जज ने स्पष्ट किया कि इस मामले में लंबी बहस की जरूरत नहीं है और भविष्य में इस तरह के दावे दोबारा नहीं आने चाहिए। संजय कपूर का 12 जून को लंदन में हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया था। दिल का दौरा पोलो खेलते समय एक मधुमक्खी निगलने के बाद आया था। उनके निधन के बाद बच्चों समायरा और कियान ने प्रिया कपूर के खिलाफ वसीयत में संभावित गड़बड़ी और जालसाजी का आरोप लगाते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। अब कोर्ट इस मामले में फैसला करेगा कि प्रिया कपूर को संजय कपूर की संपत्ति के संचालन और बिक्री से रोकना चाहिए या नहीं। कपूर परिवार के इस संपत्ति विवाद ने बॉलीवुड की चमक-दमक के बीच कानूनी ड्रामे को भी सामने ला दिया है।

राजकुमार राव और पत्रलेखा के घर गूंजी किलकारी, शादी की चैथी सालगिरह पर मिली खुशखबरी

बॉलीवुड के पॉपुलर कपल राजकुमार राव और पत्रलेखा की खुशियाँ अब दोगुनी हो गई हैं! शादी के चार साल बाद ये जोड़ी अब अपने पहले

बच्चे के माता-पिता बन गई है। 15 नवंबर को अपनी शादी की चैथी सालगिरह के मौके पर, दोनों ने एक खुशखबरी साझा करते हुए बताया कि उनके घर किलकारी गूंजी है और अब वे एक प्यारी सी बेटी के माता-पिता बन चुके हैं। राजकुमार राव ने सोशल मीडिया के जरिए इस खुशखबरी को अपने फैंस के साथ साझा किया। इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट में उन्होंने लिखा, हमारी चैथी शादी की सालगिरह पर हमें जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा मिला है। अब हम एक बेबी गर्ल के माता-पिता हैं, और यह हमारे जीवन का सबसे खूबसूरत पल है। इस प्यारी सी खबर के बाद राजकुमार और पत्रलेखा के फैंस और बॉलीवुड के सितारों से शुभकामनाओं का तांता लग गया है। यह तारीख दोनों के लिए और भी खास है, क्योंकि 15 नवंबर को ही उनकी शादी को चार साल पूरे हुए हैं। सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट पर फैंस ने ढेर सारी शुभकामनाएँ दी हैं, और ये कपल खुशी से इस नए सफर को शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित है।

कुणिका सदानंद ने मालती चाहर के लिए किया बहुत बड़ा दावा, कहा- वो लड़की लेस्बियन है, वो...

जैसे-जैसे बिग बॉस 19 अपने अंत के करीब आ रहा है, इंटरनेट यूजर्स इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि सलमान खान के शो के फाइनल में कौन पहुँचेगा। घरवाले अब एक-दूसरे का मजाक उड़ा रहे हैं। लेकिन जब कुणिका सदानंद ने घर में मालती चाहर के यौन अभिविन्यास का मुद्दा उठाया, तो सभी हैरान रह गए। उन्होंने मालती को

"लेस्बियन" कहा। बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में कुणिका सदानंद बेडरूम में तान्या मित्तल से बात करती नजर आईं। जैसा कि सभी जानते हैं, घर में मालती चाहर की तान्या मित्तल और फरहाना भट्ट से कई बार बहस हुई। एपिसोड में टास्क को लेकर उनकी और फरहाना के बीच तीखी बहस हुई। यह सब तब शुरू हुआ जब तान्या मित्तल ने कुणिका से कहा कि वह टास्क के दौरान मालती से नाराज थीं क्योंकि उन्होंने उन्हें थाली से मारने की कोशिश की थी। तान्या ने अपना गुस्सा जाहिर किया, तो कुणिका उनके पास आईं और दावा किया कि उन्हें मालती के लेस्बियन होने का पूरा यकीन है। कुणिका ने कहा, "एक चीज बोलना है, तो ऐसा है ये जो मालती मैडम ना, मुझे पूरा यकीन है कि वह लेस्बियन हैं। उनके हाव-भाव और उनके बोलने का तरीका भी कुछ ऐसा ही लग रहा है। इस पर ध्यान दीजिए।" हालाँकि, तान्या ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। बिग बॉस 19 के घर में कई मुकाबलों के साथ तनाव बढ़ा, वफादारी बदली और भावनाएँ चरम पर पहुँचीं। अमाल की फरहाना से तीखी झड़प से लेकर शहबाज के बिग बॉस पर भड़कने तक, 73वाँ दिन ड्रामा, भावनाओं और खुलासों से भरा रहा। अमाल, फरहाना और गौरव के बीच खेल की रणनीति और व्यक्तित्व को लेकर बहस हुई। फरहाना और अमाल ने सवाल किया कि क्या गौरव "एक किरदार निभा रहे हैं", जिस पर गौरव ने पलटवार करते हुए कहा कि कोई भी तीन महीने तक चौबीसों घंटे अभिनय नहीं कर सकता। चर्चा जल्द ही दार्शनिक हो गई क्योंकि उन्होंने अपने जीवन के व्यक्तिगत संघर्षों और घर के अंदर अपनी प्रामाणिकता पर विचार किया। अमाल और गौरव की बातचीत विशेषाधिकार और अवसर पर तीखी बहस में बदल गई। जब गौरव ने कहा, "जहाँ तुम्हारा संघर्ष शुरू होता है, वहाँ हमारी आकांक्षा है," तो अमाल ने जवाब दिया, "मेरे पिता, डब्बू मलिक असफल रहे - और मुझे यह स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं है। हम रिवर्स नेपोटिज्म की उपज हैं।" उन्होंने आगे बताया कि कैसे उनकी माँ के विश्वास ने उन्हें कठिनाइयों से उबारा, याद करते हुए कहा, "जब मैं नौ साल का था, तो उन्होंने मुझसे कहा था - मेरा बेटा भारत के सबसे बड़े गायकों में से एक होगा।"

जैकब एलोर्डी- मार्गोट रॉबी आधुनिक अंदाज में दिखी क्लासिक प्रेम-कहानी

वुदरिंग हाइट्स का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 14 नवंबर को जारी हो गया है। जैकब एलोर्डी और मार्गोट रॉबी इसमें प्रमुख भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं, जबकि निर्देशन की कमान एमराल्ड फेनेल ने संभाली है। क्लासिक उपन्यास पर आधारित यह नई प्रस्तुति मुख्य पात्रों के बचपन से लेकर वयस्कता तक फैली उनकी जटिल भावनात्मक यात्रा पर केंद्रित है। ट्रेलर में रोबी और एलोर्डी के किरदारों की पहली मुलाकातों से लेकर समय के साथ बदलते उनके रिश्तों की झलक मिलती है। यह पूर्वावलोकन मूल कहानी की आत्मा को संजोए रखते हुए आधुनिक दृश्य और संगीत तत्वों को प्रभावी ढंग से जोड़ने का संकेत देता है। वीडियो की शुरूआत हीथक्लिफ द्वारा कैथरीन से किए गए उस वादे से होती है, जिसमें वह बताता है कि अमीर बनने पर वह क्या करेगा। इसके बाद कथा कैथरीन की एडगर लिंटन से सगाई तक बढ़ती है—एक ऐसा रिश्ता जो सामाजिक रूप से उपयुक्त है, पर उसके दिल से दूर। ट्रेलर का संगीत चार्ली एक्ससीएक्स ने तैयार किया है, जिनका गाना चेन्स ऑफ लव उनके कॉन्सेप्ट एल्बम से लिया गया है। रॉबी और एलोर्डी का प्रदर्शन ब्रोंटे के उपन्यास की भावनात्मक तीव्रता और जटिलताओं को जीवंत करता है, और यह दिखाता है कि बचपन के बंधन तथा अनसुलझे संघर्ष कैसे जीवन भर असर डालते हैं। समकालीन संगीत और दृश्य शैली मिलकर कहानी की आधुनिक पुनर्व्याख्या प्रस्तुत करती है। निर्देशक एमराल्ड फेनेल ने इस रूपांतरण में ऐसे सिनेमाई तत्व जोड़े हैं जो पात्रों के भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक विकास को प्राथमिकता देते हैं। पारंपरिक पीरियड ड्रामा की तुलना में यह फिल्म अधिक प्रामाणिक और आंतरिक अभिनय पर केंद्रित है। चार्ली एक्ससीएक्स का इस परियोजना से जुड़ना इसे पुराने रूपांतरणों से अलग बनाता है। आधुनिक संगीत का उपयोग कहानी के भावनात्मक प्रभाव को बढ़ाने के साथ-साथ इसे नए दर्शकों से जोड़ने का प्रयास करता है। हांग चाऊ, मार्टिन क्लून्स और ओवेन कूपर जैसी प्रतिभाओं के साथ बनी यह फिल्म 13 फरवरी 2026 को, वैलेंटाइन डे वीकेंड पर, सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वार्नर ब्रदर्स के बैनर तले तैयार यह रूपांतरण एक गहन, खूबसूरत और दिलछू लेने वाली सिनेमाई अनुभव का वादा करता है।

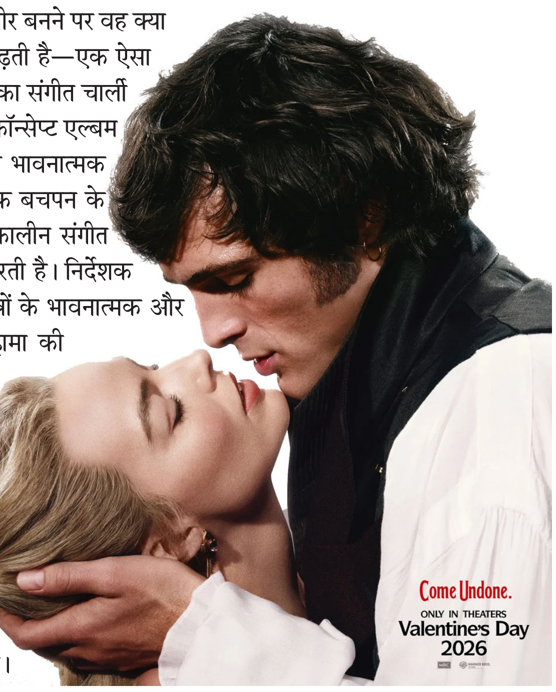

पोषण के मामले में पालक को टक्कर देता है ये देसी साग, कई लोग घास समझकर फेक देते हैं

हमारे देश में कई तरह के साग मिलते हैं, जिन्हें लोग बहुत चाव से खाते हैं। इनमें से एक फेमस साग पालक है और यह बात सभी को मालूम है कि पालक सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। मगर आज हम इस लेख में एक और ऐसे साग के बारे में जानने वाले हैं जिसका सेवन करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं, हम बात कर रहे हैं बथुआ साग की। पोषण के मामले में यह साग पालक को भी टक्कर दे सकता है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि बहुत से लोग इसे घास समझकर फेंक देते हैं। बथुआ एक ऐसा साग है जो सर्दियों में खेतों में अपने आप ही उग जाता है। यह साग कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन ए, और फास्फोरस जैसे महत्वपूर्ण खनिजों का एक शानदार स्रोत है। पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, जहां पालक को आयरन और विटामिन ड के लिए जाना जाता है, वहीं बथुआ में विटामिन अ और फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा, बथुआ में ऐसे आवश्यक अमीनो एसिड पाए जाते हैं जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। यह न केवल आपके आहार को विटामिन और मिनरल से समृद्ध करता है, बल्कि इसे नियमित रूप से खाने से शरीर को आंतरिक रूप से मजबूती मिलती है। अच्छी बात यह है कि ये साग बाजार में आसानी से किफायती

दाम पर उपलब्ध होते हैं। इसलिए आइए इस लेख में इस साग से मिलने वाले फायदे के बारे में विस्तार से जानते हैं।

पाचन तंत्र को रखता है दुरुस्त

बथुआ के साग का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह पाचन तंत्र के लिए बहुत अच्छा होता है। इसमें प्रचुर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करता है और आंतों की गतिशीलता को बढ़ाता है। यह एक प्राकृतिक रेचक के रूप में कार्य करता है।

इम्यूनिटी और रक्त शोधन

बथुआ में पर्याप्त मात्रा में विटामिन उ होता है, ये आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही यह खून को साफ करने का भी काम करता है। बथुआ में पाए जाने वाले आवश्यक तेल और खनिज शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं, जिससे त्वचा साफ होती है और संक्रमण का खतरा कम होता है।

हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक

बथुआ कैल्शियम और फॉस्फोरस का एक बेहतरीन स्रोत है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कैल्शियम की पर्याप्त मात्रा ऑस्टियोपोरोसिस जैसे हड्डियों के रोगों से बचाती है। इसके अलावा इसमें मैग्नीशियम भी होता है, जो कैल्शियम के अवशोषण में सहायता करता है।

एनीमिया (खून की कमी) में फायदेमंद

बथुआ में आयरन की अच्छी मात्रा होती है, हालांकि इसे पारंपरिक रूप से पालक जितना नहीं माना जाता, लेकिन यह खून की कमी यानी एनीमिया के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। यह हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है और शरीर में ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में भी सहायक होता है। बथुआ साग में ऑक्सालेट की अधिक मात्रा होती है, इसलिए किडनी के मरीजों को यह नहीं खाना चाहिए क्योंकि यह किडनी स्टोन बना सकता है। गर्भवती महिलाओं को भी इसके सेवन से बचना चाहिए क्योंकि यह गर्भाशय में संकुचन पैदा कर सकता है। इसलिए, इन दोनों स्थितियों में इसे डॉक्टर की सलाह के बाद ही आहार में शामिल करना सुरक्षित है।

ब्लड शुगर टेस्ट करने का सही समय क्या है? सही रेंज भी जानिए ताकि डायबिटीज रहे कंट्रोल

हाई ब्लड शुगर की समस्या भले ही लोगों में आम होती जा रही है पर ये सेहत के लिए बहुत खतरनाक मानी जाती है। जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर सामान्य से अधिक बना रहता है उनमें कई बार को

बीमारियों, जैसे हृदय रोग, किडनी की समस्या, मेटाबॉलिज्म की दिक्कतें देखी जाती हैं। डॉक्टर कहते हैं, हाई ब्लड शुगर यानी हाइपरग्लाइसीमिया सिर्फ डायबिटीज की समस्या नहीं है, यह शरीर के तमाम अंगों को भी धीरे-धीरे नुकसान पहुंचाती है। लंबे समय तक शुगर हाई रहने से नसें कमजोर होती जाती हैं, खून के बहाव में रुकावट आने लगती है और कई जानलेवा बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। यही कारण है कि डॉक्टर शुगर की नियमित जांच करते रहने और इसे कंट्रोल में रखने वाले उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को डायबिटीज की दिक्कत रही है उन्हें इसको लेकर और भी अलर्ट रहना चाहिए। आप ग्लूकोमीटर की मदद से घर पर भी आसानी से शुगर की जांच कर सकते हैं, पर सवाल ये है कि शुगर की जांच करने का सबसे अच्छा समय क्या है? सुबह का या शाम का?

कब करनी चाहिए शुगर की जांच

डॉक्टर कहते हैं, एक बार डायबिटीज हो जाने पर आपको जीवनभर इसके मैनेजमेंट की जरूरत पड़ती है। नियमित जांच से समय रहते बढ़े हुई शुगर की स्थिति पकड़ में आ जाती है, इससे जटिलताएं होने से पहले रोकथाम की जा सकती है। बातचीत में एंडोक्रोनोलॉजिस्ट डॉ शेखर साहिनी बताते हैं, डायबिटीज के मरीजों के लिए फास्टिंग शुगर और पोस्ट मील शुगर जांच जरूरी है। सुबह नाश्ते से पहले शुगर चेक करने से समझा जा सके कि आपका शरीर रातभर में ग्लूकोज का प्रबंधन कैसे करता है। वहीं भोजन के 1-2 घंटे बाद जांच से पता चलता है कि आपका भोजन शरीर में ब्लड शुगर को कैसे प्रभावित करता है।

शुगर की जांच जरूरी

डॉ शेखर कहते हैं, शुगर के लेवल पर निगरानी रखना केवल रीडिंग की बात नहीं है। इसे एक फीडबैक टूल की तरह से देखा जाना चाहिए जो शरीर को बेहतर ढंग से समझने, बेहतर भोजन विकल्प चुनने और हृदय रोग, किडनी की समस्याओं और तंत्रिकाओं में होने वाली दिक्कतों से बचने में मदद करता है। अगर आपका शुगर लेवल अक्सर सामान्य से अधिक बना रहता है तो समय रहते डॉक्टर से सलाह लेकर इलाज कराएं। जितनी जल्दी इलाज शुरू होता है, डायबिटीज के कारण होने वाली समस्याओं का खतरा उतना ही कम होता है।

शुगर लेवल कितना होना चाहिए?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, फास्टिंग शुगर लेवल (भोजन से पहले) ८0-100 मिग्रा/डीएल, वहीं भोजन के बाद 140 मिग्रा/डीएल से कम होना चाहिए। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह पर हर तीन महीने में लुअ1ू टेस्ट भी कराते रहना चाहिए, ये 7% से कम होना चाहिए। मोटापा के शिकार, दिनभर बैठकर काम करने वाले या जिनके माता-पिता को डायबिटीज की दिक्कत रही है उन्हें शुगर लेवल की नियमित जांच कराते रहने की सलाह दी जाती है।

ग्लूकोमीटर या HBA1C टेस्ट, ब्लड शुगर की जांच में कौन सा ज्यादा भरोसेमंद?

आपके मन में भी अगर सवाल रहता है कि शुगर की जांच के लिए कौन सा टेस्ट सबसे भरोसेमंद होता है? ग्लूकोमीटर या **HBA1C** टेस्ट तो इस बारे में डॉक्टरों का कहना है कि ग्लूकोमीटर से आप रोज शुगर की स्थिति जान सकते हैं, ये रीडिंग नोट करने में मददगार है और उस दिन शुगर का स्तर बताता है। वहीं **HbA1c** टेस्ट से बीमारी की सटीक जानकारी मिलती है।

तीन महीने के औसत शुगर लेवल से जाना जा सकता है कि आपके डायबिटीज की स्थिति क्या है? डायबिटीज के मरीजों को हर तीन महीने में डॉक्टर **HbA1c** टेस्ट कराने की सलाह देते हैं।

चेहरे पर मच्छर के दाने? इन 5 घरेलू नुस्खों से 10 मिनट में त्वचा दिखेगी एकदम चमकदार

मौसम बदलते ही मच्छर परेशान करने लगते हैं। रात में मच्छरों के भिनभिनाने से नींद नहीं आती और उनके काटने से त्वचा पर सूजन व दाने परेशान करते हैं। ऐसे में त्वचा अपना निखार खोने के साथ ही मच्छरों के काटने से खुजली, दानों और लाल चकत्तों से भर जाती है। लोग मच्छर मारने के विकल्प तो तलाश लेते हैं लेकिन चेहरे पर मच्छरों के काटने के निशान बरकरार रहते हैं। मच्छर के काटने से त्वचा पर लाल दाने, खुजली, जलन और सूजन होना आम बात है। खासकर चेहरे और हाथ-पैर की त्वचा सबसे जल्दी प्रभावित होती है। ऐसे में दवाइयों की जरूरत हर बार नहीं पड़ती। कुछ आसान घरेलू नुस्खे इस समस्या से जल्दी राहत दिला सकते हैं। ये स्किन-फ्रेंडली, सुरक्षित और तुरंत असर देने वाले हैं। हालांकि यदि दाने बहुत सूज रहे हों, पस बन रहा हो, या तेज एलर्जी हो रही हो तो डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

घरेलू नुस्खे जो मच्छर के दानों में देंगे तुरंत राहत

बर्फ एक प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी की तरह काम करती है। मच्छर काटने पर तुरंत राहत का सबसे आसान तरीका बर्फ की सिकाई है। इसके लिए एक साफ कपड़े में बर्फ लपेटें। फिर 5 से 7 मिनट प्रभावित जगह पर रखें। ऐसा दिन में दो-तीन बार दोहराएं। ऐसा करने से लालिमा और सूजन तुरंत कम होती है।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा में ऐंटीसेप्टिक और त्वचा को शांत करने वाले गुण होते हैं। यह त्वचा को ठंडक पहुंचाने और हीलिंग दोनों एक साथ करता है। ताजा एलोवेरा लें या मार्केट का शुद्ध जेल प्रभावित अंग में लगाएं। 10 से 15 मिनट तक लगा रहने दें। बाद में पानी से धो सकते हैं। यह जलन, खुजली और सूजन कम करता है तथा त्वचा को ठंडक देता है।

हल्दी और गुलाबजल पेस्ट

हल्दी में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं और गुलाबजल त्वचा को शांत करता है। एक चम्मच हल्दी में थोड़ा सा गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बना लें और दाने पर लगाएं। इसका फायदा है कि लाल दाने जल्दी सूखते हैं और निशान भी हल्के होते हैं।

शहद

शहद नेचुरल एंटीसेप्टिक है। शहद त्वचा को संक्रमण से बचाता है और खुजली कम करता है। इसके उपयोग के लिए थोड़ा सा शहद दाने पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी से धो लें। इससे त्वचा को सुकून और एंटीबैक्टीरियल प्रोटेक्शन दोनों मिलता है।

तुलसी के पत्ते

तुलसी के पत्तों में सकुन देने वाले और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह खुजली रोकने का असरदार तरीका है। इसके लिए कुछ पत्ते हाथ से मसलकर रस निकालें। फिर दाने पर 10 मिनट लगाएं। तुलसी के पत्ते मच्छर के जहर जैसे रसायनों से होने वाली जलन को शांत करते हैं।

ऋषभ पंत ने टेस्ट में सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ा, बने भारत के सबसे बड़े सिक्सर किंग!

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टार विकेटकीपर

बल्लेबाज ऋषभ पंत ने वीरेंद्र सहवाग को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट मैचों में भारत के सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है! उन्होंने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका पहले टेस्ट के दूसरे दिन 24 गेंदों पर 2 छक्के लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। पंत अब 92 छक्कों के साथ शीर्ष पर हैं, उनके बाद सहवाग (90), रोहित शर्मा (88), रवींद्र जडेजा (80) और एमएस धोनी (78) का नंबर आता है। वह इंग्लैंड के बेन स्टोक्स (136) के बाद विश्व स्तर पर भी सातवें स्थान पर हैं। बाएँ हाथ का यह बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वालों की सर्वकालिक सूची में सातवें स्थान पर है, जिसमें इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स 136 छक्कों के साथ शीर्ष पर हैं।

पंत को शनिवार सुबह क्रीज पर उतरते समय वीरेंद्र सहवाग के भारत के लिए टेस्ट मैचों में 90 छक्कों के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए एक छक्के की जरूरत थी, और उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज की पाँचवीं गेंद पर ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। इसके तुरंत बाद, उन्होंने महाराज की गेंद पर एक और छक्का लगाया, लेकिन तेज गेंदबाज कॉर्बिन बॉश ने उन्हें आउट कर दिया। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने शनिवार को टेस्ट क्रिकेट में 4,000 रन पूरे किए और खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 4,000 टेस्ट रन और कम से कम 300 विकेट लेने वाले ऑलराउंडरों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया। जडेजा ने कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की, उन्होंने पहला सत्र 11* पर समाप्त किया, जो उन्हें इस उपलब्धि तक ले जाने के लिए पर्याप्त था। 88 टेस्ट मैचों में, जडेजा ने 38.84 की औसत से 4,001 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और 27 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175* है।

इस साल नौ टेस्ट मैचों में, जडेजा बल्ले से सनसनीखेज रहे हैं, उन्होंने 14 पारियों में 83.75 की औसत से 670 रन बनाए हैं हालांकि, जडेजा इस साल गेंदबाजी में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं। उन्होंने नौ मैचों में लगभग 50 की औसत से सिर्फ. 15 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/54 रहा है। उन्होंने इस साल दो बार चौके-छक्के लगाए हैं।

भारत को बड़ा झटका, शुभमन गिल चोट के कारण कोलकाता में रिटायर्ड हर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन भारत को शुरूआती झटका तब लगा जब कप्तान शुभमन गिल गर्दन में खिंचाव के कारण चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट हो गए, जिससे ईडन गार्डन्स में उनकी पारी की शानदार शुरूआत बीच में ही छूट गई। 35वें ओवर में वाशिंगटन सुंदर के आउट होने के बाद गिल क्रीज पर आए और क्रीज पर संयमित दिखे। उन्होंने साइमन हार्मर की पहली दो गेंदों को सुरक्षित रूप से झेला और फिर स्क्वायर लेग के ऊपर से एक सटीक स्वीप शॉट लगाकर चौका जड़ दिया, जो पूरी ताकत और नियंत्रण के साथ खेला गया। हालाँकि, माहौल तुरंत बदल गया। स्वीप पूरा करने के बाद जैसे ही गिल उठे, उन्हें असहजता साफ दिखाई दी। उन्होंने अपना हेलमेट उतार दिया और अपनी गर्दन के बाईं ओर हाथ रख लिया, जाहिर तौर पर अकड़न से जूझ रहे थे। फिजियो को इशारा करने से पहले वह एक पल के लिए स्थिर खड़े रहे। मैदान पर एक संक्षिप्त आकलन के बाद, भारतीय प्रबंधन ने अपने कप्तान के साथ कोई जोखिम नहीं उठाने का फैसला किया। एक प्रतिस्थापन बल्लेबाज को बुलाया गया, और गिल धीरे-धीरे पवेलियन की ओर लौटने लगे। यह घटना उनके क्रीज पर पहुँचने के कुछ ही मिनट बाद

हुई, जब 25 वर्षीय गिल ने सिर्फ.तीन गेंदें खेलीं और रिटायर्ड हर्ट हो गए। फिजियो के आने के बाद उनकी हालत और भी ज्यादा अकड़ गई, जिससे भारतीय ड्रेसिंग रूम में तुरंत चिंता फैल गई। मेडिकल स्टाफ को अंदर-बाहर आते-जाते देखा गया, जबकि गिल सीधे आगे के इलाज के लिए अंदर चले गए। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के 159 रन के जवाब में पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शनिवार को यहां लंच तक अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 138 रन बनाए। लंच के समय रविंद्र जडेजा 11 और ध्रुव जुरेल पांच रन पर खेल रहे थे। भारत अभी दक्षिण अफ्रीका से 21 रन पीछे है। भारत ने सुबह एक विकेट पर 37 रन से आगे खेलना शुरू किया। केएल राहुल और वाशिंगटन सुंदर ने गेंदबाजों का डटकर सामना किया।

टेनिस स्टार सानिया मिर्जा की जिंदगी बनी सिनेमा, आज मना रहीं 39वां जन्मदिन

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला टेनिस के लिए मिसाल बनी पूर्व टेनिस स्टार सानिया मिर्जा 15 नवंबर को अपना 39वां जन्मदिन मना रही हैं। सानिया मिर्जा की जिंदगी करीब 3 साल पहले तक जिंदगी एकदम सीधी पटरी पर चल रही थी। लेकिन साल 2023 में संन्यास के बाद सानिया मिर्जा की पर्सनल लाइफ में ऐसा मोड़ आता है कि सभी हैरान रह जाते हैं। दरअसल, पाकिस्तान के पूर्व स्टार क्रिकेटर शोएब मलिक के साथ सानिया मिर्जा के 14 साल पुराने रिश्ते का टूटना और पूर्व पति की तीसरी शादी होना। इन सभी घटनाओं ने सानिया मिर्जा की जिंदगी को 'सिनेमा' बना दिया। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर सानिया मिर्जा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

मुंबई में 15 नवंबर 1986 को सानिया मिर्जा का जन्म हुआ था। उन्होंने अपना बचपन हैदराबाद में बिताया और यहीं से सानिया के टेनिस के करियर की शुरूआत हुई थी। सानिया मिर्जा के पिता का नाम इमरान मिर्जा था, वह पेशे से खेल पत्रकार थे। सानिया ने 14 साल की उम्र से अपने टेनिस करियर की शुरूआत की थी।

टेनिस करियर

साल 1999 में शुरूआत करने के अगले साल ही पाकिस्तान में खेले गए इंटेल जूनियर चैंपियनशिप जी-5 मुकाबले में सिंगल और डबल मुकाबले सानिया मिर्जा ने जीत हासिल की। सानिया मिर्जा के इस सफर ने साल 2003 तक सबसे रोमांचक मोड़ पर लेकर आया। इसमें सानिया मिर्जा ने विंबलडन में डबल्स के दौरान जीत हासिल की।

शोएब से मुलाकात

सानिया मिर्जा सुर्खियों में तब आईं, जब उन्होंने पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक को डेट करना शुरू किया। दोनों ने 5 महीने एक-दूसरे को डेट करने के बाद साल 2010 में निकाह कर लिया।

एशेज से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा नुकसान चोट के कारण हेजलवुड पहले टेस्ट से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, एशेज सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया

के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट से बाहर होने के साथ, एशेज सीरीज से पहले एक और बड़ा झटका लगा है। यह झटका ऑस्ट्रेलिया के नियमित कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस की अनुपलब्धता के बाद आया है, जो पीठ की चोट से उबर रहे हैं और कम से कम शुरूआती टेस्ट से बाहर रहेंगे। हेजलवुड को सिडनी में विक्टोरिया के खिलाफ न्यू साउथ वेल्स के शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। शुरूआती स्कैन में मांसपेशियों में खिंचाव नहीं दिखा, लेकिन बाद में की गई इमेजिंग में हैमस्ट्रिंग की चोट की पुष्टि हुई, जिससे कम-स्तर की मांसपेशियों की चोटों का जल्द पता लगाने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के हवाले से शनिवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक बयान में कहा गया, "बुधवार को हुए शुरूआती स्कैन में मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि नहीं हुई थी, हालाँकि, आज हुई अनुवर्ती इमेजिंग से चोट की पुष्टि हो गई है। शुरूआती इमेजिंग कभी-कभी हल्की मांसपेशियों की चोटों को कम करके आंक सकती है।" ऑस्ट्रेलिया के पास तेज गेंदबाजी के लिए बहुत कम संसाधन हैं, शॉन एबॉट, लांस मॉरिस, झाई रिचर्डसन और स्पेंसर जॉनसन के साथ-साथ कमिंस और हेजलवुड भी चोटों के कारण उपलब्ध नहीं हैं। हेजलवुड की अनुपस्थिति में, तेज गेंदबाज माइकल नेसर को 21 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए टीम में शामिल किया गया है। हेजलवुड की चोट दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ब्रेंडन डॉगेट के लिए रास्ता बना सकती है, जो चुने जाने पर अपना पहला टेस्ट मैच खेल सकते हैं। हेजलवुड, जिनके नाम 76 मैचों में 295 टेस्ट विकेट हैं, मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में ऑस्ट्रेलिया के लिए मिशेल स्टार्क के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जिन्होंने तीन मैचों में 14 विकेट लिए हैं। उन्होंने पिछले महीने भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में प्रभावशाली गेंदबाजी की थी और हाल ही में शील्ड में खेलते हुए भी अपनी लय का प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया एशेज सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करके डब्ल्यूटीसी 2025-27 रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखना चाहेगा। दूसरी ओर, इंग्लैंड डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में छठे स्थान पर है और 2013 एशेज सीरीज के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में हराने की कोशिश करेगा। पहले एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की अपडेटेड टीमः स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

एसईजेड में उत्पादन बढ़ाने के लिए राहत उपायों पर विचार: गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष

गोयल ने शनिवार को कहा कि सरकार विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ राहत उपायों को लागू करने पर विचार कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय भारत के घरेलू बाजार में उपयोग के लिए इन क्षेत्रों में अतिरिक्त क्षमता को बढ़ावा देने के तरीकों और साधनों पर विचार कर रहा है। वाणिज्य मंत्री ने यहां आंध्र प्रदेश एसईजेड में ब्रांडिक्स टेक्सटाइल इकाइयों का दौरा करते हुए कहा कि यह एक तरह से आयात प्रतिस्थापन भी होगा, क्योंकि आयातित सामानों के मुकाबले एसईजेड से घरेलू आपूर्ति बेहतर है। उन्होंने कहा, हम इस अंतर को कम करने की कोशिश कर रहे हैं और पूरी उम्मीद है कि जल्द ही सभी विशेष आर्थिक क्षेत्रों से उत्पादन में भारी वृद्धि होगी। गोयल सीआईआई साझेदारी शिखर सम्मेलन 2025 में भाग लेने के लिए यहां आए थे। उन्होंने कहा कि देश के विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) आयुक्तों को अगले सप्ताह यहां एक बैठक आयोजित करने के लिए कहा गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या वाणिज्य मंत्रालय इन क्षेत्रों को राहत देने के लिए संसद में एक विधेयक लाएगा, उन्होंने कहा, हम सभी संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं, क्या इसके लिए कानून में संशोधन की आवश्यकता है या कुछ नियमों के जरिये ऐसा किया जा सकता है।

नगालैंड के कॉरपोरेट निवेश में बेहद सकारात्मक बदलाव: सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि नगालैंड के कॉरपोरेट निवेश में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। दीमापुर स्थित नागालैंड टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर में एआई और भविष्य के कौशल उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन करने के बाद सीतारमण ने कहा कि इस नए युग का उदाहरण दो प्रमुख कार्यक्रमों में से देखा जा सकता है। इनमें कोहिमा में टाटा समूह के साथ सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण देने का सहयोग और दीमापुर में साइएंट फाउंडेशन के साथ उन्नत एआई संचालित विनिर्माण और 3डी प्रिंटिंग तकनीकों को पेश करने की साझेदारी शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन की टक्कर से युवक की मौत, नहीं सुनाई दिया हॉर्न

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में ड्यूटी पर निकले युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। युवक कान में ईयर फोन लगाकर क्रासिंग पार कर रहा था। जिसकी वजह से ट्रेन के हार्न की आवाज नहीं सुनाई दी और उसकी चपेट में आ गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।कोलवा भनौरा माल निवासी अखिलेश (18) पुत्र छोटे लाल गोमती नगर विस्तार में खरगापुर क्रासिंग के पास झोपड़ पट्टी में रहता था। घरों में साफ सफाई का काम करता था। शनिवार सुबह करीब 8 बजे काम पर निकला था। खरगापुर रेलवे क्रासिंग पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार में मां रामवती और भाई बृजेश हैं। इंस्पेक्टर गोमतीनगर विस्तार सुधीर अवस्थी ने बताया कि जांच के दौरान पता चला है कि कान में ईयर फोन लगाया था। मौके से पुलिस को ईयर फोन मिला है। ईयर फोन लगा होने की वजह से ट्रेन की आवाज नहीं सुनाई दी और उसकी चपेट में आ गया।

यूपी में भी दोहराया जाएगा बिहार का परिणाम-राजनाथ

लखनऊ (संवाददाता)। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिन के दौरे पर लखनऊ पहुंचे। लखनऊ एयरपोर्ट पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और भाजपा के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।लखनऊ में शनिवार को पहले कार्यक्रम में राजनाथ सिंह सदर बाजार के संस्कृत पाठशाला महाविद्यालय पहुंचे और वरिष्ठ कार्यकर्ता संवाद में उन्होंने बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत के साथ भाजपा के शानदार प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिहार विधान सभा चुनाव के परिणाम से भारतीय राजनीति में बहुत बड़ा बदलाव सामने आया है। राजनाथ सिंह ने कहा, मैने वायरल फीवर में भी बिहार में जनसभा की थी और मालदीव गया था। कार्यकताओं के पसीने से बिहार की जीत हासिल हुई है। हमारी सरकार ने भ्रष्टाचार रोकने के लिए जनधन खाता खुलवाया, जिससे की लाभार्थी के खाते में सीधा धन जमा हो सके। जमधन खाता खोलने के लिए हुई बैठक में मैं भी बैंक अधिकारियों के साथ था, हमने पूछा इससे क्या लाभ होगा। पहले जो सहायता सरकार देती थी, उसमें से 100 में से 40 या 50 पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था। आज सौ पैसा चलता है तो वो पूरा पहुंचता है, लेकिन बैंक कर्मियों ने कहा कि खाता खुलने से धन पहुंचने के साथ ही बचेगा भी। भ्रष्टाचार भाषण से समाप्त नहीं होता व्यवस्था में बदलाव करके होता है। भारत में यूपीआई का लेनदेन विश्व में सबसे ज्यादा है। इसके उपयोग से विश्व में भ्रष्टाचार कम हुआ है। लखनऊ में दस वर्ष में काफी परिवर्तन दिख रहा है। ईमानदारी से काम किया जाए तो परिवर्तन किया जा सकता है। भारत को विकसित बनाने का सपना पूरा होगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी कम होने से लाभ हुआ है। राजनाथ सिंह ने लोगों से पूछा कि वस्तु कम हुई है या नहीं।

पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को योगी सरकार ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी, बने राज्य ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को तीन साल के लिए राज्य ट्रांसफॉर्मेशन कमिशन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी का विशेष दायित्व सौंपा गया है। नियुक्ति विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य योजना आयोग की अधिसूचना के अनुसार मनोज कुमार सिंह को आयोग में कार्यभार ग्रहण करने के लिये नामित किया गया है। आदेश के मुताबिक, उन्हें पूर्व कार्यकारी अनुभव को आधार मानते हुए तीन साल तक मुख्य कार्यकारी स्तर पर सेवाएं देने के लिए अधिकृत किया गया है। इस अवधि में उन्हें वेतन तथा नियमानुसार सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। प्रमुख सचिव आलोक कुमार द्वारा जारी आदेश की प्रतियां संबंधित विभागों, वरिष्ठ अधिकारियों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और सूचना विभाग सहित विभिन्न कार्यालयों को प्रेषित कर दी गई हैं। शासन ने निर्देश दिया है कि आदेश का अनुपालन तत्काल प्रभाव से सुनिश्चित किया जाए।

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में एएमपी की दो दिवसीय राष्ट्रीय समिनार का आरम्भ

लखनऊ (संवाददाता)। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय ध्वज आरोहण से हुई, जो एकता, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रगति का प्रतीक है। पहले सत्र में जिन प्रतिष्ठित व्यक्तित्व किया हैं। दानिश आजाद, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री, मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, आमिर इदरीसी, अध्यक्ष एएमपी, प्रो. अमिताभ कुंडू, इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट, दिल्ली, फारूक सिद्दीकी, दिल्ली, यू. निसार अहमद, अध्यक्ष, कर्नाटक अल्पसंख्यक आयोग,डॉ. जफर महमूद, अध्यक्ष, जकात फाउंडेशन ऑफ इंडिया, दिल्ली,प्रो. फुरकान कमर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया,तारिक सिद्दीकी, शाहीन इस्लाम सभी वक्ताओं ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार के अवसरों के विस्तार, और सशक्तिकरण के महत्व पर महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। इस सत्र ने सम्मेलन के लिए एक सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण तैयार किया। दूसरा सत्र ह्नसमुदाय की शैक्षणिक रीढ़ का पुनर्निर्माणह्व विषय पर आधारित रहा। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि मुस्लिम समुदाय जो देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है।

मिशन निदेशक ने इंडिया स्किल्स कम्पटीशन की तैयारियों को लेकर की वर्चुअल बैठक

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता 15 से 25 तारीख के मध्य और मंडल स्तरीय 1 से 10 दिसंबर के बीच होगी

लखनऊ (संवाददाता)। कौशल विकास मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक की अध्यक्षता में #IndiakSillsCompetition2025 की तैयारियों के संबंध में सभी जनपदों के कौशल विकास मिशन संयुक्त निदेशकों एवं जिला समन्वयकों के साथ एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।मिशन निदेशक पुलकित खरे ने अवगत कराया कि प्रतियोगिता का प्रथम चरण जनपद स्तरीय होगा।

लखनऊ में बिजली विभाग की वर्टिकल हेल्प डेस्क शुरू, प्रबंध निदेशक ने नारियल फोड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में बिजली विभाग में वर्टिकल व्यवस्था लागू

हो गई है। अब शहर 15 लाख ग्राहकों को अगर कोई परेशानी होती है तो वह सीधे 1912 नंबर पर शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए शहर को जोन वाइज बांटकर हेल्प डेस्क शुरू कर दी गई हैं। हेल्प डेस्क ने हर जोन के लिए काम करना शुरू कर दिया है।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल ने सेंट्रल कार्यालय के बाहर नारियल फोड़कर हेल्प डेस्क शुरू कर दी। उपभोक्ताओं को नई व्यवस्था में भी किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए चीफ इंजीनियर से लेकर ग्राउंड लेवल तक अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश हैं। मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल का कहना है कि 6 अस्थायी हेल्प डेस्क के अलावा 10 अस्थायी हेल्प डेस्क और खोली जा रही हैं। हेल्प डेस्क पर शिकायत करने पर ग्राहक को बताया जाएगा कि पहले टोल फ्री नंबर 1912 पर भी शिकायत दर्ज कर दें। इसका उद्देश्य है कि हर शिकायत की मॉनिटरिंग हो सके। इसीलिए 1912 पर पूरा ध्यान देने की बात प्रबंध कर रहा है। यह हेल्प डेस्क बिजली विभाग के कार्यालय के टाइम टेबल के अनुसार काम करेगी। फॉल्ट ठीक करने के लिए उस पाली में तैनात गैंग या कार्यदायी संस्था को काम आवंटित करेंगे। नामित मरम्मत गैंग शट डाउन लेकर काम पूरा करने के बाद बिजली लाइन चालू करेंगे। फेस लेस कार्य प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए उपभोक्ता को ऑफिस नहीं बुलाया जाएगा। किसी भी डॉक्यूमेंट की जरूरत होगी तो उपभोक्ता से ई-मेल, वॉट्सएप, उपभोक्ता एप और उपभोक्ता सहायक केंद्र और मध्यांचल के चैट बॉक्स 8010924203 के माध्यम से लिए जाएंगे। मुख्य अभियंता लखनऊ मध्य रवि कुमार ने बताया किसी भी प्रकार के बिल संशोधन के लिए उपभोक्ता 1912 पर शिकायत दर्ज कराएं। यदि ऑनलाइन शिकायत न कर सकें तो नजदीकी हेल्प डेस्क पर जाएं। हेल्प डेस्क शिकायत को 1912 पर दर्ज कर देगा और पंजीकरण नंबर उपलब्ध कराएगा। बिल सही होने पर लिंक के माध्यम से उपभोक्ता को संशोधन का मेमो मिलेगा, जिससे वह खुद नया बिल देख और सत्यापित कर सकेंगे। शिकायत दर्ज कराने के विकल्प रहेगा। मध्यांचल निगम के निदेशक (वाणिज्य) योगेश कुमार के अनुसार, अधीक्षण अभियंता (वाणिज्य) नए कनेक्शन, बिलिंग, वसूली और उपभोक्ता सेवाओं के प्रभारी होंगे।

लुलु मॉल ने आयोजित किया डॉल्स ऑफ इंडिया

बच्चों को कला और संस्कृति की विरासत से जोड़ा गया

लखनऊ (संवाददाता)। बाल दिवस के अवसर पर लुलु मॉल, लखनऊ में डॉल्स ऑफ इंडिया का आयोजन किया गया। यह एक अनोखा सांस्कृतिक कार्यक्रम था, जिसका उद्देश्य भारत की पारंपरिक गुड़िया-निर्माण कला, शिल्प विरासत और सतत हस्तकला को सम्मान देना था। इस पहल में सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल्स ने सहयोगी साझेदार के रूप में भाग लिया, जिससे कार्यक्रम में शिक्षा और रचनात्मकता का सुंदर समावेश हुआ। 14 से 16 नवंबर 2025 तक चले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम ने मॉल को एक जीवंत सांस्कृतिक स्थल में बदल दिया, जहाँ कला, कहानी और हस्त गतिविधियों के माध्यम से भारत की विविधता का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में देशभर की 25 पारंपरिक गुड़ियों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिनमें हर गुड़िया अपनी विशेष कला शैली और कहानी को दर्शाती थी। बिहार की मंजूषा गुड़िया, झारखंड के छोऊ मुखौटे, राजस्थान और तेलंगाना की कठपुतलियाँ और अंडमान-निकोबार की जनजातीय गुड़ियाँ कृ सभी ने भारत की सदीयों पुरानी कला-संस्कृति को उजागर किया। प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण रहा उत्तर प्रदेश की मूनज घास से बनी मूनज डॉल्स। प्राकृतिक और पर्यावरणहअनुकूल मूनज घास से बनने वाली ये गुड़िया ग्रामीण जीवन, टिकाऊ शिल्पकारी और महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक हैं। लुलु मॉल ने स्थानीय कारीगरों को मंच देकर इस विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। तीन दिनों के दौरान बच्चों और परिवारों को कई रचनात्मक, शिक्षाप्रद और मजेदार गतिविधियों में शामिल किया गयारू ऽ 14 नवंबररू डॉलह्मेकिंग वर्कशॉप ह बच्चों ने अपनी गुड़िया खुद बनाकर पारंपरिक तकनीकें सीखीं। 15 नवंबर क्ले आर्ट वर्कशॉप ह मिट्टी से कला बनाने का पर्यावरणहअनुकूल और कल्पनाशील अनुभव। ऽ 16 नवंबररू ग्रैंड पपेट शो ह हंसी, संगीत और लोककथाओं से भरा लखनऊ के किसी भी मॉल में होने वाला पहला कठपुतली शो। इसके अलावा लाइव पॉटरी डेमोंस्ट्रेशन, कपड़े की गुड़िया बनाने की गतिविधि और ओरिगामी कलाकार की लाइव वर्कशॉप ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बनाया। इन कला प्रस्तुतियों ने दर्शकों को परंपरागत शिल्प को करीब से देखने और सीखने का अवसर दिया। लुलु मॉल ने सभी कलाकारों को सम्मानित किया, जिन्होंने हमारी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री विशाक जी अय्यर, डीएम लखनऊ ने किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों में सांस्कृतिक जागरूकता और स्थिरता के महत्व को बढ़ावा देता है। उद्घाटन के दौरान श्री आलोक शुक्ला (डायरेक्टर एवं स्टेट हेड, ब्प्), सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, शाहिद पथ की वाइस प्रिंसिपल, श्री पंकज राठौर और सुश्री मोनिका तनेहा मनकताला सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री समीर वर्मा, रीजनल मैनेजर, लुलु मॉल, ने कहारू हमें डॉल्स ऑफ इंडिया को मिली शानदार प्रतिक्रिया से बेहद खुशी है। बच्चों और परिवारों को एक साथ भारत की कलाह्नसंस्कृति का उत्सव मनाते देखना बहुत सुखद रहा। यह कार्यक्रम वास्तव में बाल दिवस के भाव को दशार्ता है कृ जहाँ खुशी, सीख और परंपरा एक साथ आती हैं। श्री पंकज राठौर, सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल्स की ओर से बोलेरू लुलु मॉल के साथ इस पहल में जुड़ना हमारे इस विश्वास को दिखाता है कि शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है।

9 साल से लंबित मांगों को लेकर लेखपाल संघ ने किया प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आान पर सरोजनी नगर लेखपाल संघ ने शनिवार को तहसील समाधान दिवस सहित सभी कार्यों का बहिष्कार किया। लेखपालों ने अपनी नौ साल से लंबित मांगों पर शासन द्वारा कोई ठोस पहल न किए जाने के विरोध में तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। संघ की प्रमुख मांगों में राजस्व लेखपाल संवर्ग को तकनीकी संवर्ग घोषित करना, पदनाम बदलकर राजस्व उपनिरीक्षक करना और न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातक निर्धारित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्रारंभिक वेतनमान को ग्रेड पे 2800 करने की मांग भी की गई। लेखपालों ने पदोन्नति के अवसर बढ़ाने और हर पांच लेखपालों पर एक राजस्व निरीक्षक का पद सृजित करने की मांग की। उन्होंने चार राजस्व निरीक्षकों के सापेक्ष एक नायब तहसीलदार का पद सृजित करने और इन दोनों पदों पर लेखपालों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की भी मांग उठाई। नायब तहसीलदार के पद पर 50 प्रतिशत सीधी भर्ती में से 25 प्रतिशत पद लेखपालों के लिए विभागीय परीक्षा के माध्यम से आरक्षित करने की मांग भी की गई। एसीपी विसंगति को दूर करने की मांग भी प्रमुख रही। इसमें प्रथम एसीपी में 10 वर्ष की सेवा पर 2800 ग्रेड पे, द्वितीय में 16 वर्ष पर 4200 ग्रेड पे और 26 वर्ष की सेवा पर 4600 ग्रेड पे प्रदान करने की मांग शामिल है। अन्य मांगों में स्टेशनरी भत्ता 100 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपए और विशेष भत्ता 2500 रुपए करना शामिल है। संगठन ने अंतरमंडलीय स्थानांतरण बहाल करने और 2004 के बाद नियुक्त मृतक आश्रित लेखपालों को पेंशन स्वीकृत करने की भी मांग की। जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण को देखते हुए लेखपालों के पदों में वृद्धि करने, साथ ही राजस्व सहायक और राजस्व चैकी की व्यवस्था लागू करने की मांग भी उठाई गई।

दिल्ली से मंगाते हैं नकली रैपर...साधारण नमक मिलाकर खपाते- 225 किलो नमक जब्त- केस दर्ज

संवाददाता

गोरखपुर। साहबगंज मंडी स्थित एक

दुकान से 225 किलो नकली टाटा नमक मिला है। टाटा कंपनी के अधिकारी ने पुलिस के साथ छापा मारकर यह नमक पकड़ा है। नमक की पैकिंग एकदम असली टाटा जैसी थी। इसे आम लोगों के लिए पहचान पाना आसान नहीं है। राजघाट थाना पुलिस ने कंपनी के अधिकारी की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। नकली टाटा नमक मिलने से मंडी में हड़कंप मच गया है। दो माह पहले भी इसी इलाके से बड़ी मात्रा में नकली नमक की खेप पकड़े जाने के बाद यह कार्रवाई स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों पर सवाल खड़े करती है। दो महीने में दूसरी बार इस तरह का केस पकड़ में आने के बाद इस बात को बल मिला है कि शहर में नकली नमक का कारोबार बड़े पैमाने पर हो रहा है। उपभोक्ताओं की सेहत के साथ बड़ा खिलवाड़ किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, नोएडा के पालमकोट निवासी टाटा कंपनी के जांच अधिकारी डमरू आनंद ने तहरीर में बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि साहबगंज मंडी में उनके ब्रांड नाम का दुरुपयोग कर भारी मात्रा में नकली नमक बेचा जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद 12 नवंबर को कंपनी टीम और राजघाट पुलिस ने संयुक्त छापेमारी की। तलाशी के दौरान व्यापारी लवकुश प्रसाद की दुकान से नौ बोरों में भरा कुल 225 किलो नकली टाटा नमक मिला। अधिकारियों के अनुसार, जब्त पैकेटों की पैकिंग, लेबल और सील असली टाटा नमक से काफी हद तक मिलती-जुलती थीं, जिससे उपभोक्ताओं को धोखे में रखना आसान हो जाता था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी व्यापारी के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट समेत संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि नकली उत्पादों की यह खेप किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा भी हो सकती है, जिसकी जांच की जा रही है। एसपी धंधेबाजों ने टाटा ब्रांड वाले नमक को भी नहीं छोड़ा है। साधारण नमक को ब्रांडेड रैपर में भरकर बेचा जा रहा है। बीते सितंबर में राजघाट थाना क्षेत्र के मिजापुर इलाके में टाटा ब्रांड का डुप्लीकेट नमक पकड़ा गया था। इससे पहले सहजनवां इलाके में भी नमक में मिलावट की बात सामने आई थी। बताया जा रहा है कि धंधेबाज गोरखपुर में दिल्ली से रैपर मंगाते हैं। फिर उसमें साधारण नमक भरकर उसे टाटा ब्रांड और अन्य ब्रांडों के नाम से बेच देते हैं। इसी तरह चायपत्ती और सर्फ में भी खेल होता है। गोरखपुर से मंडल के चारों जिलों गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर व महराजगंज के अलावा पड़ोस के जिले बिहार के गोपालगंज और पश्चिमी चंपारण तक नमक की आपूर्ति होती है। नमक की खपत को देखते हुए यहां भी धंधेबाजी शुरू हो गई है। कुछ दिन पहले सहजनवां इलाके में फैक्टरी पकड़ी गई, जहां नमक की पैकिंग होने की बात सामने आई थी। इसके अलावा बीते सितंबर में मिजार्पुर इलाके की एक दुकान के गोदाम में 3.43 क्विंटल नमक मिला था। इसके नकली होने की आशंका थी। टीम को टाटा की चायपत्ती और फेवीक्विक के रैपर भी मिले थे। बरामद सारा माल पुलिस थाने ले गई थी। टाटा कंपनी की ओर से केस दर्ज कराया गया था। मिलावटी नमक के सेवन से पाचन तंत्र खराब हो सकता है और पेट से जुड़ी अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। लंबे समय तक नकली नमक का सेवन हृदय रोग, गैस्ट्रिक कैंसर, ऑस्टियोपोरोसिस और किडनी की बीमारियों के खतरे को बढ़ा सकता है।

अब 28 की जगह 15 फरवरी तक निरस्त रहेंगी चार स्पेशल ट्रेनें

संवाददाता

गोरखपुर। रेलवे स्टेशन पर वाशिंग पिट एक और दो के निर्माण में तेजी के चलते पूर्व में निरस्त चल रहीं ट्रेनों के निरस्तीकरण और शॉर्ट टर्मिनेशन व शॉर्ट ओरिजेशन की अवधि को कम करके 28

फरवरी की जगह 15 फरवरी कर दिया गया है। यह जानकारी एनईआर के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने दी। निरस्त की गई ट्रेनों का अवधि का विस्तार : - 05057 गोरखपुर-दिल्ली स्पेशल 12 फरवरी, 2026 तक। - 05058 दिल्ली-गोरखपुर स्पेशल 13 फरवरी तक। - 05053 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 13 फरवरी तक। - 05054 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल 14 फरवरी तक निरस्त रहेगी। - शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन गाड़ियों का अवधि का विस्तार, - 01027 दादर-गोरखपुर स्पेशल 14 फरवरी तक मऊ जं. पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। यह गाड़ी मऊ-गोरखपुर के बीच निरस्त रहेगी। - 01028 गोरखपुर-दादर स्पेशल 16 फरवरी तक मऊ जं. से चलाई जाएगी। यह गाड़ी गोरखपुर-मऊ के बीच निरस्त रहेगी। - 22921 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस 08 फरवरी तक बलरामपुर में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। यह गाड़ी बलरामपुर-गोरखपुर के बीच निरस्त रहेगी। - 22922 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 10 फरवरी 2026 तक बलरामपुर से चलाई जाएगी। यह गाड़ी गोरखपुर-बलरामपुर के बीच निरस्त रहेगी। - 15031 गोरखपुर-लखनऊ जं. एक्सप्रेस 10 फरवरी तक गोमतीनगर में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। यह गाड़ी गोमतीनगर-लखनऊ जं. के बीच निरस्त रहेगी। - 15032 लखनऊ जं.-गोरखपुर एक्सप्रेस 10 फरवरी तक गोमतीनगर से चलाई जाएगी। यह गाड़ी लखनऊ जं.-गोमतीनगर के बीच निरस्त रहेगी। - लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 14 फरवरी तक चलने वाली 11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस गोंडा तक चलाई जाएगी। - गोरखपुर से 16 फरवरी तक चलने वाली 11056 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस गोंडा से चलाई जाएगी। - लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 15 फरवरी तक चलने वाली 20103 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस आजमगढ़ तक चलाई जाएगी। - गोरखपुर से 16 फरवरी तक चलने वाली 20104 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस आजमगढ़ से चलाई जाएगी।

- साबरमती से 14 फरवरी तक चलने वाली 19409 साबरमती-गोरखपुर एक्सप्रेस थावे तक चलाई जाएगी। - गोरखपुर से 16 फरवरी तक चलने वाली 19410 गोरखपुर-साबरमती एक्सप्रेस थावे से चलाई जाएगी। - पुणे से 12 फरवरी तक चलने वाली 11037 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस बढ़नी तक चलाई जाएगी। -

एमएमएमयूटी में आज से एल्युमिनी मीट, तैयारियां पूरी

संवाददाता

गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन 15 और 16 नवंबर को होगा। इसे लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसमें गोल्डन जुबिली (1975), सिल्वर जुबिली (2000) व डिकेड बैच (2015) के छात्र प्रतिभाग करेंगे। मालवीय एलुमनी एसोसिएशन (मा) के अध्यक्ष जेबी राय व सचिव प्रो. वीके द्विवेदी ने बताया कि शनिवार को सुबह 10 बजे शुभारंभ होगा। उत्तराखंड पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार मुख्य अतिथि होंगे। एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड के सीईओ अखिलेश दीक्षित विशिष्ट अतिथि होंगे। ये दोनों ही अतिथि एमएमएमयूटी के पुरातन छात्र हैं। इसमें 1966 से 1975 के बीच पासआउट हुए करीब 20 छात्र भी शामिल होंगे। मीट में लगभग 300 पुरातन छात्रों के जुटने की संभावना है। कई पुरातन छात्रों ने छात्रावासों में रहने की इच्छा जताई है। इसे देखते हुए टैगोर छात्रावास में 20 पुरातन छात्रों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। सेवानिवृत्त हो चुके 15 शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले छह पुरातन छात्रों को विशिष्ट सम्मान प्रदान किया जाएगा। गोल्डन जुबिली बैच का प्रतिनिधित्व कर रहे विंग कमांडर गुरमीत सिंह संधु ने बताया कि उनके बैच के 50 लोग सपरिवार इस सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। विश्वविद्यालय में पहली बार एल्युमिनी मीट में गोल्डन जुबिली बैच के इतने छात्र एक साथ शामिल हो रहे हैं।

बेटा दुबई में करता है नौकरी...पिता के मौत की खबर सुना- हार्ट अटैक से हो गई मौत

संवाददाता

गोरखपुर। कोठा गांव में दोहरी त्रासदी ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया है। गांव के टिकुली बनारस में मंगलवार देर रात 70 वर्षीय निठालु की बीमारी से मौत हो गई। परिजनों ने यह जानकारी दुबई में उनके छोटे बेटे पारस (43) को फोन पर दी। परिवार बुधवार को निठालु के अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटा था कि अचानक दुबई से कंपनी की कॉल आई। फोन पर बताया गया कि पारस को मंगलवार देर रात हार्ट अटैक आया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह खबर सुनते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और गांव का माहौल शोक में डूब गया। पारस अपने पीछे पत्नी, एक बेटी और तीन बेटे को छोड़ गए। परिजनों ने बताया कि कंपनी की ओर से पारस के शव को भारत भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संभावना है कि शुक्रवार देर रात गोरखपुर पहुंचने के बाद शव कोठा गांव लाया जाएगा। परिवार पर आए इस दोहरे दुख ने पूरे क्षेत्र को व्यथित कर दिया है। इस संबंध में थाना प्रभारी सुशील कुमार चौरसिया ने ऐसी किसी जानकारी से इन्कार किया है।

तहसील में विकास कार्यों की जांच की मांग को लेकर दिया धरना

संवाददाता

गोरखपुर। भूमि पर अवैध कब्जे एवं ग्राम सभा में हुए विकास कार्यों की जांच की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को वरिष्ठ नेता प्रहलाद प्रसाद के नेतृत्व में दर्जनों लोग नौतनवा तहसील परिसर में ही धरने पर बैठ गए। प्रहलाद प्रसाद ने बताया कि क्षेत्र की ग्राम सभा खैराटी निवासी साध्वी नर्वदादासी, हरदीडाली निवासिनी साध्वी राजमति, प्रहलाद चौधरी निवासी जमुहानी टोला बिचौवापुर एवं शांति देवी निवासिनी ग्राम पिपरा टोला अशोगवा की छपवा एवं हरदीडाली स्थित जमीनों का कुछ लोगों ने फर्जी बैनामा कराकर कब्जा कर लिया है। उन्होंने बताया कि विकास के नाम पर ग्राम सभा बरवाकला में बड़े पैमाने पर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है। उ परोक्त मामलों को लेकर कई बार शिकायत भी की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बरवाकला के प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष सिंह का कहना है कि धरने पर बैठे लोगों ने ग्राम सभा की जमीनों पर खुद कब्जा किया है।

हुमायूंपुर तिराहे से गोरखनाथ थाने तक सीवर लाइन का निर्माण शुरू

संवाददाता

गोरखपुर। हुमायूंपुर तिराहा से जगेश्वर पासी चौराहा होते हुए गोरखनाथ थाने तक ट्रेंचलेस विधि से सीवरलाइन बिछाने का काम शुरू हो गया। ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन लागू कर दिया है, जिसके बाद जल निगम की टीम ने अंसारी रोड पर वजीराबाद मोड़ और बागवाली मस्जिद के पास करीब छह मीटर गड्ढा खोदकर काम शुरू कर दिया। डायवर्जन मार्ग पर मार्गदर्शक पट्टिकाएं भी लगा दी गई हैं। सीवरलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की जीएसबी डालकर मरम्मत का काम भी समानांतर जारी है। शुक्रवार को अधिशासी अभियंता पंकज कुमार और स्थानीय पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने कार्यस्थल का निरीक्षण किया और श्रमिकों को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि कार्य तीन माह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

क्लब में काम करने वाली युवती को ब्लैकमेल की कोशिश, प्रेमी ने पीटा- केस दर्ज

संवाददाता

गोरखपुर। रामगढ़ताला थाना क्षेत्र के एक क्लब में काम करने वाली युवती ने क्लब मालिक के दोस्त पर सीसी फुटेज भेजकर ब्लैकमेल करने की कोशिश का आरोप लगाया है।

इस मामले में युवती के प्रेमी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर शुक्रवार को क्लब के सामने ही आरोपी की पिटाई कर दी। पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों के खिलाफ मारपीट व धमकी का केस दर्ज किया है। देवरिया जिले की रहने वाली युवती ने तहरीर में बताया कि वह तारामंडल स्थित एक क्लब में कार्यरत है। नौ नवंबर को क्लब मालिक के मित्र ने उसे क्लब का सीसी फुटेज भेजा, जिसमें वह अपने एक परिचित युवक के साथ दिखाई दे रही थी। आरोप है कि फुटेज के साथ आरोपी ने लिखा, सबसे दोस्ती करती हो, मुझसे भी करो। इसके बाद वह लगातार वीडियो के आधार पर उसे ब्लैकमेल की कोशिश करते हुए धमकाने लगा। युवती के अनुसार, उसने पूरी बात अपने प्रेमी और क्लब मालिक को बताई लेकिन क्लब मालिक ने भी आरोपी की तरफदारी करते हुए मामले को दबाने की कोशिश की। स्थिति तब बिगड़ी जब बृहस्पतिवार की रात करीब 8:30 बजे आरोपी युवक क्लब पहुंच गया। बताया जा रहा है कि गेट पर ही युवती के प्रेमी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर आरोपी की पिटाई कर दी। पिटने के बाद आरोपी युवक थाने पहुंचा और युवती के दोस्त और उसके साथियों पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया। वहीं, युवती ने सीसी फुटेज भेजकर ब्लैकमेल की कोशिश की तहरीर दी है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं दिनांक 03/11/2025 को अपने घर से वाराणसी जा रहा था, यात्रा के दौरान मेरा पर्स कहीं खो गया, जिसमें मेरा आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, एचडीएफसी बैंक कार्ड नम्बर- 250766320706301 आदि रखे थे।

शुभम सिंह
पुत्र श्री इंद्रजीत सिंह
निवासी- ग्राम सरफुद्दीनपुर, पोस्ट टांडा कलॉ चहनिया, थाना बलुआ, जिला चंदौली

Railway Bus Stand: Demand for Roadways Buses to Operate on the Old Route

Pawan Gupta

Gorakhpur. Nearly a dozen shopkeepers at the city's railway bus stand held a press conference at the Press Club, Gorakhpur, demanding that roadways buses operate on the old route.

Shopkeeper Manish Srivastava stated that for nearly a month, contracted buses from Kushinagar, Deoria, and Maharajganj districts have been stopping at the bus stand via Mohaddipur and the Railway Museum, resulting in a substantial passenger stop in the northern area of the railway bus stand.

He added that in the past, when roadways buses traveled to the bus stand via University Square, the bus stand's northernmost area, from Carmel School Square to University Square, was always crowded with passengers, which helped those shopkeepers earn a living.

Let us tell you that for almost a month the buses have been diverted to the bus stand via the Railway Museum route, since then the shopkeepers are feeling very disappointed as they are unable to pay the shop tax, electricity bill and staff expenses due to lack of business."A day before the press conference regarding the above matter, about hundreds of shopkeepers had submitted a memorandum to the District Magistrate and Superintendent of Police Traffic requesting them to run the roadways buses as per the old pattern. But due to no concrete action being taken, all the shopkeepers were forced to hold a press conference."During this, several dozen shopkeepers including Rajesh Chaturvedi, Abhishek Verma, Rinku Mishra, Anil Gupta, Amar Gupta, Pradeep Gupta, Rahul Pal, Akhilesh Gupta, Ayush Mishra were present.

As focus shifts to formation of new Nitish government, 5 of its likely priority areas

Patna-As Bihar now moves towards the government formation process, the focus has also shifted to what the Nitish Kumar government's priority areas may be. As he called on investors to put their money in the state, PM Narendra Modi on Friday outlined what may be the agenda of the next administration. At all of his 84 public meetings during the election, CM Nitish Kumar brought up his government's promise of creating 1 crore jobs in the next five years. Now that it is back, this is most likely to be one of the government's top priorities. Job creation has been part of the CM's development pitch ever since RJD leader Tejashwi Yadav almost turned the

tables on him in 2020 by striking a chord with his jobs pitch and leading the Mahagathbandhan to 110 seats. The government has already implemented the Mukhyamantri Mahila Udyami Yojana that provides a Rs 10-lakh grant to women for entrepreneurship. Of the grant, 50% is a non-repayable grant, while the remaining half is an interest-free loan. Then, just before the polls, Nitish announced the much-discussed Mukhyamantri Mahila Rojgar Yojana — popular as the "dashazari" scheme — under which eligible women entrepreneurs are eligible to receive Rs 2.1 lakh. The first, non-refundable instalment of Rs 10,000 was rolled out for 1.51 crore women. But there is a rider for the next tranches of disbursal of up to Rs 2 lakh in two or three equated instalments, depending on the viability of the business proposals submitted. Also Read | Sympathy, shraddha, and the Modi-Nitish model: What next after decisive Bihar mandate? The government has assessed that it may receive about 1 crore business proposals. That equates to a massive Rs 2-lakh crore. Besides, the government hopes to create at least 5 lakh government jobs in health, education and other sectors. The government has received investment proposals worth Rs 66,000 crore in the last three years in sectors such as cement, tannery, garments, hospitality, and IT. But it has set its eyes on attracting investments in the agro and food processing sectors, especially in the makhana, banana, maize, mango, tomato, potato, and litchi-processing industries. Government officials estimate this can generate lakhs of jobs in semi-urban and urban areas.

Brahma Kumaris Gorakhpur held a program on Sahaja Yogi life

Gorakhpur. Organized under the auspices of Prajapita Brahma Kumaris Ishwariya Vishwavidyalaya, Gorakhpur, a program on Sahaja Yogi life was held at the organization's main branch in Mohaddipur. Dr. Mohit Gupta, an internationally renowned speaker from New Delhi and Professor of Cardiology at G.B. Pant Hospital, New Delhi, shared detailed information on Sahaja Raja Yoga with the audience in simple language, citing examples from his own life experiences."The program began with the lighting of a lamp and songs of divine

remembrance. BK Pushpa Didi, in-charge of Brahma Kumaris Mohaddipur, BK Manoj Didi, in-charge of Siswan Bazaar, BK Parul Didi, in-charge of Shahpur, and other sisters welcomed the keynote speaker and chief guest with bouquets."BKs participated in the program. Dr. Mohit Gupta taught the art of living a life of a natural yogi through Sahaja Rajyoga, explaining to the audience how the power of the mind can easily overcome even the most difficult situations. Even complex illnesses can be cured through the power of the mind, combined with proper treatment, and through the practice and application of Rajyoga. Dr. Mohit inspired the audience with examples from his own life and highlighted the positive impact of positive thinking and the practice of Rajyoga.

Vice Chancellor Dr. Poonam Tandon also thanked Brahma Kumaris Gorakhpur for organizing this program, commending the work being done by the Brahma Kumaris in promoting moral education and human values in society, and expressed her desire to organize similar programs at Gorakhpur University in the future.

In the end, BK Pushpa Didi and BK Parul Didi thanked the entire audience.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।